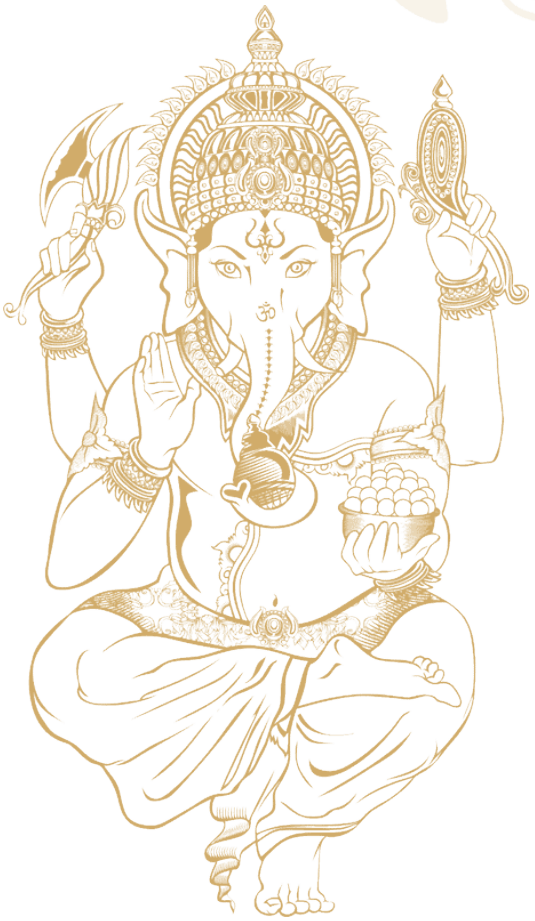

Sunil

Yaksha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121449708

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/01/2001	जन्म तिथि	03/09/2003
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:00:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 32:17:31	जन्म समय(घटी)	29:48:33 घटी
India	देश	India
Kolhapur	स्थान	Kolhapur
16:42:00 उत्तर	अक्षांश	16:42:00 उत्तर
74:19:00 पूर्व	रेखांश	74:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:44	स्थानिक संस्कार	-00:32:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:04:59	सूर्योदय	06:19:34
18:26:10	सूर्यास्त	18:44:35
23:52:04	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:17

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 4वर्ष 0मा 25दि		06:16:26	सिंह	लग्न	कुंभ	08:44:34	बुध 16वर्ष 9मा 25दि	
शनि		13:51:25	मक	सूर्य	सिंह	16:42:33	केतु	
22/02/2021		16:59:08	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	16:48:31	28/06/2020	
23/02/2040		26:16:27	तुला	मंगल व	कुंभ	09:36:10	29/06/2027	
शनि	26/02/2024	02:14:17	कुंभ	बुध व	कन्या	00:37:59	केतु	25/11/2020
बुध	05/11/2026	07:19:42	वृष	गुरु	सिंह	07:38:50	शुक्र	25/01/2022
केतु	14/12/2027	00:33:01	मीन	शुक्र	सिंह	21:01:50	सूर्य	02/06/2022
शुक्र	13/02/2031	00:11:53	वृष	शनि	मिथु	16:55:55	चन्द्र	01/01/2023
सूर्य	26/01/2032	21:30:37	मिथु व	राहु	मेष	29:31:07	मंगल	30/05/2023
चन्द्र	26/08/2033	21:30:37	धनु व	केतु	तुला	29:31:07	राहु	16/06/2024
मंगल	05/10/2034	26:12:18	मक	हर्ष व	कुंभ	06:32:03	गुरु	23/05/2025
राहु	11/08/2037	12:26:47	मक	नेप व	मक	17:06:45	शनि	02/07/2026
गुरु	23/02/2040	20:44:02	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	23:20:19	बुध	29/06/2027

लग्न-चलित

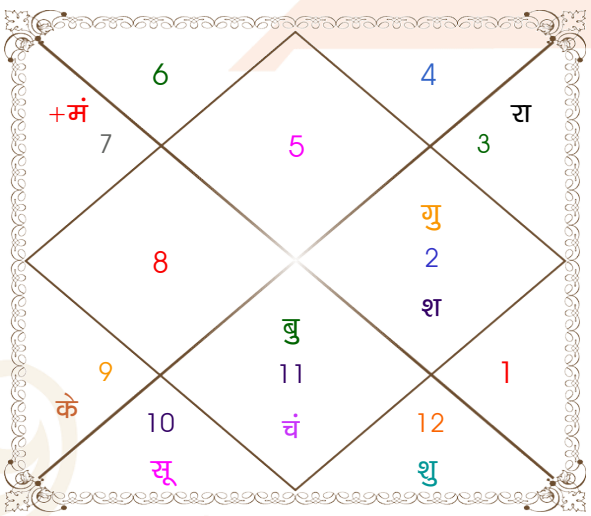

लग्न-चलित

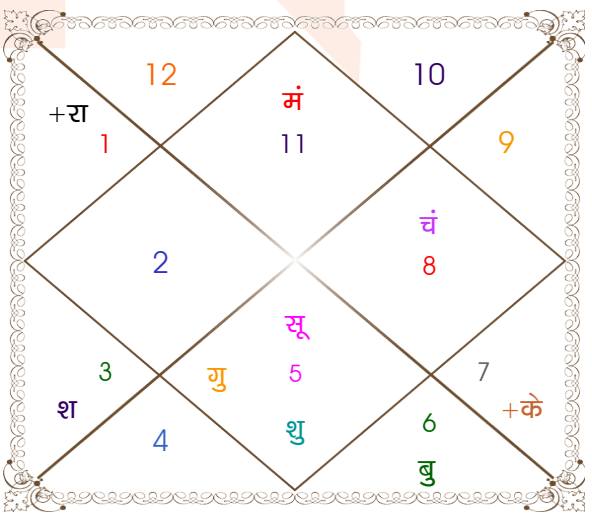

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

Sunil का वर्ग मेष है तथा Yaksha का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sunil और Yaksha का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sunil मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Yaksha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sunil कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sunil तथा Yaksha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।